Regarding need to adopt "Bha' footwear sizing system designed by Central Leather Research Institute in Indian footwear industry- laid

डॉ**.** आनन्द कुमार गोंड **(**बहराइच**) :** मैं सरकार का ध्यान देश में मानकीकृत फुटवियर साइजिंग प्रणाली के अभाव से उत्पन्न एक महत्वपूर्ण उपभोक्ता एवं उद्योगगत समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । वर्तमान में विभिन्न भारतीय व अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स द्वारा अलग-अलग साइजिंग मानकों के उपयोग के कारण उपभोक्ताओं को गलत फिटिंग, असुविधा, बार-बार जूते बदलने की मजबूरी तथा अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है । यह उल्लेखनीय है कि केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (CLRI) द्वारा भारतीय पैर संरचना पर आधारित वैज्ञानिक भ (BHA) फुटवियर साइजिंग सिस्टम विकसित किया गया है, जो भारतीय उपभोक्ताओं की शारीरिक आवश्यकताओं के अनुरूप है । इसके बावजूद, इस प्रणाली को उद्योग द्वारा व्यापक रूप से नहीं अपनाया गया है, जिससे इसके लाभ आम नागरिक तक नहीं पहुँच पा रहे हैं । मेरा सरकार से आग्रह है कि उपभोक्ता हित, मेक इन इंडिया तथा भारतीय फुटवियर उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को ध्यान में रखते हुए भ (BHA) फुटवियर साइजिंग सिस्टम को एक राष्ट्रीय मानक के रूप में अधिसूचित करने की नीति पर गंभीरता से विचार किया जाए । साथ ही, चरणबद्ध रूप से इसे सभी भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फुटवियर ब्रांड्स के लिए अनिवार्य बनाने हेतु स्पष्ट रोडमैप एवं समयसीमा तय की जाए ।